गणतंत्र दिवस के अवसर पर अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक का संदेश

26 जनवरी 2021

प्रिय साथियों, सुप्रभात।

भारत के 72 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मैं आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूँ। जैसा कि आप सभी जानते हैं, हमारा संविधान दिनांक 26 जनवरी 1950 को प्रभावी हुआ और इस प्रकार एक स्वतंत्र गणराज्य की शुरुआत हुई। हम लोग इस बार, पुनः नई आशा और उम्मीद के साथ कोविड-19, जिसके कारण जीवन और आजीविका - दोनों बाधित हुआ है, से मुक्ति के कगार पर हैं क्योंकि देश वायरस के प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण के कवायद में जुट गया है ।

जैसा कि भारत महामारी पश्चात दुनिया में तेजी से औद्योगिक सुधार की ओर अग्रसर है, खनन क्षेत्र भी जीडीपी योगदान के मामले में अपने बहुस्तरीय प्रभाव के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तत्पर है । वर्तमान में हरित प्रौद्योगिकी और डिजिटलाइजेशन में जोर के करण कॉपर की मांग, आने वाले वर्षों में बढ़ने की उम्मीद है। विद्युतीकरण के समर्थन में स्वच्छ ऊर्जा की आवश्यकता सबसे तेजी से बढ़ने वाली है, क्योंकि इसके लिए सौर पैनलों और पवन टर्बाइनों में पिछली पद्धत्ति की तुलना में लगभग 12 गुना अधिक तांबे की आवश्यकता पड़ती है। इलेक्ट्रिक वाहन, आंतरिक दहन इंजन की तुलना में तांबे की मात्रा को 4 गुना अधिक खपत करता है। 5-जी नेटवर्क, जिसे उद्योग डिजिटलीकरण के लिए इष्टतम विकल्प माना जाता है, के लिए कई और टन तांबे की आवश्यकता पड़ेगी। इसके अलावा, कोविड-19 ने कॉपर को अपने अनोखे रोगाणुरोधी गुणों के कारण स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अग्र स्थान में ले आया है, जिससे इसके उपयोग का नया आयाम जुड़ गया है।

इस प्रकार, विनिर्माण, विद्युत उपकरण, औद्योगिक मशीनरी और निर्माण के लिए एक प्रमुख अवयव के रूप में, भारत को अपने आर्थिक समुत्थान हेतु अधिक कॉपर की आवश्यकता होगी। आयात प्रतिस्थापन की दिशा में एक प्रमुख कदम के रूप में और आयातित कॉपर कंसेंट्रेट पर देश की निर्भरता को कम करने के लिए एच.सी.एल. ने कॉपर कंसेंट्रेट की दीर्घकालिक खरीद और बिक्री के लिए हिंडाल्को के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।

यह पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप, सरकार के आह्वान ''आत्म निर्भर भारत अभियान'' के अनुरूप है। हाल ही में, उग्र महामारी के बावजूद, मलांजखंड कॉपर प्रोजेक्ट ने अपनी भूमिगत खदान परियोजना में उत्तर और दक्षिण-दोनों ही को 240 के लेवल पर जोड़कर कीर्तिमान स्थापित किया जोकि इसे 5 मिलियन टन प्रति वर्ष के अयस्क उत्पादन के लक्ष्य के और करीब ले आया है।

इसके अलावा, एच.सी.एल., निरंतर वृद्धि और विकास के लिए कई रणनीतिक उपायों को अपना रहा है। कम्पनी, इण्डियन कॉपर कॉम्प्लेक्स के राखा और चापरी की भूमिगत खानों के लिए खनन और परिष्करण (beneficiation) हेतु एम.डी.ओ. की नियुक्ति की प्रक्रिया में है। इच्छुक भागीदारों के लिए टीसीपी में कैथोड से कंटीनुअस कास्ट वायर रॉड्स में टोलिंग के कार्य को भी आगे बढ़ायेंगे।

महामारी और अन्य संबद्ध बाधाओं के कारण, 2020 का लक्ष्य अप्राप्त रहा। अब मजबूत इरादों के साथ अपने लक्ष्यों और जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित करना समय की जरूरत है। उत्पादन और प्रेषण के लक्ष्यों को निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरा करने के साथ हमारी खदान विस्तार योजना का समय पर क्रियान्वयन कंपनी को बचाने के लिए आवश्यक है । इस बीच, हमें अपने उत्पादों के वांछित गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करना होगा । मैं ताम्र परिवार के प्रत्येक सदस्य को समर्पण और आत्मानुशासन के साथ काम करने हेतु आह्वान करता हूँ । मैं हृदय से उन कोविड योद्धाओं को नमन करता हूँ जिन्होंने सभी बाधाओं के बावजूद अपने सर्वोत्तम कार्यनिष्पादन का उदाहरण पेश किया और अपने हौंसलों को बुलंद रखा।

हमने एक साथ कई चुनौतियों का सामना किया है। तांबे की अंतर्निहित सहने की विशेषता, ताम्र परिवार की प्रकृति में निहित है, जिससे कि हम लोग अस्तित्व और जीवन के लिए संघर्ष करते रहे हैं। आइये, हम लोग अपने सामूहिक उत्साह और अंत:ऊर्जा से अपनी सफलता का मार्ग प्रशस्त करें और राष्ट्र की सेवा में खुद को समर्पित करें।

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाओं के साथ, जय हिन्द ।

अ॰ कु॰ शुक्ला

(अरुण कुमार शुक्ला)
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
26 जनवरी 2021